वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 104 | गुरुवार 7 अगस्त 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान सरकार के 3 विभागों में विदेशी सामान पर बैन

शिक्षा मंत्री बोले-खरीदने वाले से होगी वसूली; जरूरी होने पर मंत्री स्तर पर लेनी होगी परमिशन

जयपुर. कासं

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- अब से शिक्षा विभाग, पंचायती राज और संस्कृत शिक्षा विभाग में सिर्फ भारत में बने सामान की ही खरीद की जाएगी। तीनों विभागों में विदेश में निर्मित सामान की खरीद पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है। मदन दिलावर ने आगे कहा- ऐसे में अगर शिक्षा विभाग का कोई भी अधिकारी-कर्मचारी विदेशी सामान की खरीद करेगा, तो उसके खिलाफ न सिर्फ सख्त एक्शन लिया जाएगा। बल्कि, खरीदे गए सामान का भुगतान भी उसी से वसूला जाएगा। शिक्षा मंत्री ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके यह जानकारी साझा की।

मंत्री स्तर पर अनुमति के बाद ही खरीदा जाएगा विदेशी सामान

दिलावर ने कहा कि हम चाहते हैं कि हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया अभियान की परिकल्पना को साकार करें। इसी सोच के साथ हमने राजस्थान के शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग और संस्कृत शिक्षा विभाग में इस पहल को शुरू किया है। इससे भारत में निर्मित सामानों का उपयोग बढ़ेगा और हमारी अर्थव्यवस्था पर भी इसका सकारात्मक असर होगा। दिलावर ने कहा- अगर कोई ऐसी वस्तु है, जो सिर्फ विदेश में ही निर्मित होती है

और हमारे लिए अति आवश्यक है तो उसे मंत्री स्तर पर अनुमति के बाद ही खरीदा जाएगा।

चीनी राखी का करें बहिष्कार

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राखी के पर्व पर भी स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल की अपील की। दिलावर ने कहा- रक्षाबंधन पर महिलाओं और बेटियों को देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझते हुए स्वदेशी वस्तुओं की खरीद करनी चाहिए। यह पवित्र त्योहार न सिर्फ आपके घर में खुशियां लाएगा। बल्कि, भारत के हजारों परिवारों को स्वावलंबी भी बनाएगा।

विदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल कर रहे

दिलावर ने कहा- शेविंग ब्लेड से लेकर कोलगेट तक हम विदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में हमें आम जीवन में इस्तेमाल होने वाली सभी वस्तुओं में भी विदेशी वस्तुओं की खरीद पर पूरी तरह से बैन लगा देना चाहिए। सिर्फ सरकार के कुछ विभाग और राखी के पर्व पर ही नहीं बल्कि, आम जनता को भी बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाकर विदेशी वस्तुओं का इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। दिलावर ने कहा- काफी विदेशी देश भारत में अपनी वस्तुओं को बेचकर हमसे मुनाफा तो कमाते हैं, लेकिन उसे धन का उपयोग पाकिस्तान की मदद के लिए करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी आपने देखा चीन पाकिस्तान की मदद कर रहा था। जो भारत में अपने उत्पाद बेच मुनाफा कमा रहा है।

डोटासरा बोले- शिक्षा मंत्री बौद्धिक रूप से बीमार

3 विभागों में विदेशी सामान पर बैन लगाने को लेकर गोविंद सिंह डोटासरा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर निशाना साधा है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से दिलावर को बौद्धिक रूप से बीमार बताते हुए उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। डोटासरा ने लिखा- दिलावर को किसी अच्छे अस्पताल में इलाज और आराम की सख्त जरूरत है। डोटासरा ने शिक्षा मंत्री के द्वारा शिक्षा, पंचायती राज और संस्कृत विभागों में विदेशी वस्तुओं पर प्रतिबंध लगाने के निर्णय को अनुपयुक्त और विवेकहीन बताया है। डोटासरा ने मदन दिलावर से पूछा- क्या मंत्री जी शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट में जिसमें उनका ईमेल लिखा है। उसका इस्तेमाल अब बंद कर देंगे? क्योंकि वो विदेशी कंपनी का बनाया हुआ है? क्या मंत्री जी, जिस विदेशी कंपनी का मोबाइल फोन इस्तेमाल करते हैं, उसे फेंक देंगे?

महारानी फार्म पुलिया अगस्त के अंत में शुरू होगी

पुलिया का 95% काम पूरा, अब 5 किलोमीटर का चक्कर बचेगा

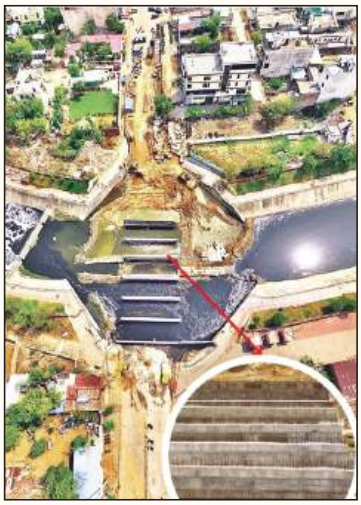

जयपुर. कासं

मानसरोवर-दुर्गापुरा को जोड़ने वाली द्रव्यवती पर बनी महारानी फार्म पुलिया का काम पूरा होने के बाद अगस्त के आखिर तक शुरू कर दी जाएगी। पुलिया पर ट्रैफिक शुरू होने से रोजाना यहां से निकलने वाले वाहनों को बी-टू बायपास और रिद्धी-सिद्धी से टोंक रोड आने जाने के लिए 5 किमी लम्बा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। पुलिया की ऊंचाई कम होने से बारिश के दौरान यहां ओवरफ्लो होता था। इस परेशानी को दूर करने के लिए जेडीए ने इसकी ऊंचाई 2.5 मीटर तक बढ़ाने के लिए फरवरी में काम शुरू किया था। तब से यहां ट्रैफिक बंद था। जेडीए अधिकारियों के अनुसार अब 95 फीसदी काम पूरा हो गया है। 25 अगस्त तक पुलिया से ट्रैफिक शुरू करने की तैयारी है।

70 की बजाय दोनों छोर तक 200 मीटर लेवल बराबर किया

महारानी फार्म पुलिया पहले द्रव्यवती पर केवल 70 मीटर तक बनी थी। जेडीए ने इसकी बॉक्स डालकर इसकी ऊंचाई 2.5 से करीब 5 मीटर तक बढ़ा दी। दोनों तक हाइट लेवल समान कर दिया। अब शिप्रा पथ की तरफ 80 मीटर में सीसी रोड और फुटपाथ का काम होना है। क्रेशर स्टोन संचालकों की हड़ताल से काम प्रभावित हुआ है, लेकिन 95% हो चुका है।

रक्षाबंधन पर ब्रह्माकुमारी बहनों का विशेष आयोजन

होमगार्ड अधिकारियों और जवानों को बांधी राखी, आध्यात्मिक संदेश भी दिया

जयपुर. कासं। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने स्थानीय होमगार्ड कार्यालय में बुधवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। इस समारोह में बहनों ने आध्यात्मिकता और राष्ट्र सेवा के भाव से होमगार्ड के अधिकारियों और जवानों को रक्षा-सूत्र बांधा। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता बीके उमा दीदी ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक महत्व समझाया। उन्होंने कहा- राखी मात्र एक धागा नहीं, बल्कि एक पवित्र संकल्प है। यह बुराइयों से रक्षा, आत्मिक जागृति और सत्यम्, शिवम्, सुंदरम् जीवन जीने का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि सच्चा रक्षक वह है जो आत्मा को जागरूक कर अपने कर्मों को श्रेष्ठ बनाए। समारोह में बहनों ने सभी जवानों को ईश्वरीय याद में राखी बांधी। उन्होंने तिलक लगाया और मिठाई खिलाई। साथ ही शुभकामनाओं के साथ सत्संकल्पों की सौगात भी दी। होमगार्ड अधिकारियों ने ब्रह्माकुमारी संस्था के इस आत्मीय प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से मनोबल बढ़ता है और आत्मिक ऊर्जा मिलती है। बीके कुणाल भाई ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में ''विश्व शांति एवं सुरक्षा के लिए'' विशेष मौन प्रार्थना और योग सत्र का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर ब्रह्मा कुमारीज बहनें सुरक्षा में कार्यरत भाइयों को राखी बांधकर उनका मुंह मीठा कराती हैं।

जे एस जी अनंता ने जैन समाज के लिये किया जैन सेवा पोस्टर का विमोचन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जे एस जी अनंता कार्यकारिणी सभा की मंगलवार सांय आयोजित की गई। इस सभा में हुवे सर्वसम्मत निर्णय के बारे में सचिव अरुण कटारिया ने बताया कि जैन समाज जो किसी भी प्रकार की आर्थिक तथा अन्य सेवा में विश्व में अग्रणी स्थान रखता है लेकिन इस हेतु इसका किसी एक नाम से विश्वव्यापी पहचान नहीं है। इस पहचान को कायम करने के लिये ग्रुप की वर्तमान कार्यकारिणी तथा पूर्व अध्यक्ष मोहन बोहरा, प्रदीप बाबेल, गजेन्द्र जोधावत, विनोद पगारिया, डॉ. शिल्पा नाहर ने जैन सेवा हेतु एक पोस्टर का विमोचन किया गया। कटारिया के अनुसार इस जैन सेवा पोस्टर को जैन समाज के आध्यात्मिक गुरुओं तथा पदाधिकारियों को प्रेषित कर निवेदन किया जाएगा कि वो जैन समाज को सूचित करे कि समाज द्वारा की जाने वाली किसी भी प्रकार की जन सेवा को जैन सेवा के नाम से करे। अध्यक्ष विनोद चपलोत ने बताया कि जे एस जी अनंता अपने संबल सहयता कोष के तहत अलग स्कूलों में अलग अलग विषय पर ज्ञानवर्धक वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करेगा तथा श्रेष्ठ छात्रों को पुरस्कृत करेगा। सभा में महेश नाहर,ललित कच्छारा, सुन्दर तलेटीया, सोनिका सिंघवी,सुनील जैन, जिनेन्द्र मेहता, प्रिया कोठारी,रमेश शाह, यशवन्त बाफना , अशोक जैन आदि उपस्थित थे।

रक्षाबंधन विशेष

धर्म व चल तीर्थों की रक्षा के साथ ही वात्सल्य का पर्व 'रक्षा बंधन'

तीर्थंकर श्रेयांश नाथ का मनाया जाएगा निर्वाणोत्सव

जैन ग्रंथों के अनुसार, उज्जयिनी में श्रीधर्म नाम के राजा के चार मंत्री थे - बलि, बृहस्पति, नमुचि और प्रह्लाद। इन मंत्रियों ने शास्त्रार्थ में पराजित होने के कारण श्रुतसागर मुनिराज पर तलवार से प्रहार का प्रयास किया तो राजा श्रीधर्म ने उन्हें देश से निकाल दिया। चारों मंत्री अपमानित होकर हस्तिनापुर के राजा पद्म की शरण में आ गये । इन्ही दिनों कुछ समय बाद मुनि अकंपनाचार्य 700 मुनि शिष्यों के संग हस्तिनापुर पहुंचे।

शास्त्रार्थ में पराजित बलि ने मुनियों पर किया उपसर्ग

बलि को अपने अपमान का बदला लेने का विचार आया। उसने राजा से वरदान के रूप में सात दिन के लिए राज्य मांग लिया। राज्य पाते ही बलि ने मुनि तथा आचार्य के साधना-स्थल के चारों तरफ आग लगवा दी। धुएं और ताप से ध्यानस्थ मुनियों को अपार कष्ट होने लगा, पर मुनियों ने अपना धैर्य नहीं तोड़ा। बलि राजा ने मुनिराजों पर घोर उपसर्ग किया था और मुनिराजों का आहार-विहार-निहार तक बंद हो गया था, चारों ओर जलाये चर्म की बदबू और धुएं से उनके गले छिल गए थे। वे 700 मुनिराज इस भयंकर उपसर्ग को आत्म साधना के बल पर समता से सहन करने का प्रयास कर रहे थे। उन्होंने प्रतिज्ञा की कि जब तक यह कष्ट दूर नहीं होगा, तब तक वे अन्न-जल का त्याग रखेंगे।

विष्णु कुमार ने उपसर्ग से की मुनियो की रक्षा

श्रावण शुक्ल पूर्णिमा यानि रक्षाबंधन के दिन मुनिराज विष्णु कुमार ने वामन का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा में तीन पैर धरती मांगी और तीन पग में ही सारा संसार नाप कर 700 मुनियों की रक्षा की और राजा बलि को देश से निकाल दिया। इसी पर्व को जैन समाज एक दूसरे की रक्षा के पर्व या वात्सल्य पर्व के रूप में मनाता आया है। विष्णु कुमार ने विक्रिया ऋद्धि से शरीर को बहुत अधिक बढ़ा लिया। उन्होंने अपना एक पग सुमेरु पर्वत पर, दूसरा मानुषोत्तर पर्वत पर रखा और अगला पग स्थान न होने से आकाश में डोलने लगा। सर्वत्र हाहाकार मच गया। बलि के क्षमायाचना करने पर मुनिराज अपने स्वरूप में आए। इस तरह हस्तिनापुर में सात सौ मुनियों की उपसर्ग से रक्षा हुई। सभी ने परस्पर रक्षा करने का बंधन बांधा । यह पर्व अकंपनाचार्य आदि 700 मुनिराजों की रक्षा का दिवस होने से वात्सल्य पर्व कहलाता है।

एक दूसरे की रक्षा के संकल्प के लिए बांधा रक्षा सूत्र

चल तीर्थों की रक्षा की स्मृति में रक्षा-बंधन का त्योहार श्रमण संस्कृति में आज तक मनाया जा रहा है । इस दिन साधु संतों तथा एक दूसरे की रक्षा के संकल्प के लिए धागे बांधे जाते है तथा मंदिरो में विधान पूजन के साथ सात सो मुनिराजो की पूजन कर अर्घ्य चढ़ाये जाते है। यह दिन जैन धर्म के ग्यारहवें *तीर्थंकर श्रेयांस नाथ का निर्वाण दिवस भी है । समाज जन द्वारा रक्षा बंधन पर्व के दिन निर्वाणोत्सव भी भक्ति भाव के साथ निर्वाण लाडू समर्पित कर मनाया जाता है ।

जयपुर में सन्तों के सानिध्य में होंगे विधान पूजन

इस दिन जयपुर में सन्तों के सानिध्य में थडी मार्केट , कीर्ति नगर, वरुण पथ, दुर्गापुरा, चित्रकूट , झोटवाड़ा , बीलवा, पदमपुरा आदि स्थानों पर रक्षा बंधन पर्व व मुनि विष्णु कुमार की पूजन के बाद उपसर्ग विजेता सात सो मुनिराजो को नमन करते हुए अर्घ्य समर्पित किए जाएँगे तथा मंदिर जी में देव शास्त्र गुरु के समक्ष रक्षा सूत्र कलाई पर बांधे जाएँगे । मंदिरो में मुनियों की भक्ति में भक्ति संध्या जैसे कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। पार्श्वनाथ मंदिर सोनियांन ,जनकपुरी , चूल गिरी , जग्गा की बावड़ी, सांवला जी आमेर , सहित कई मंदिरों में विशेष कार्यक्रम होंगे ।

पदम जैन बिलाला
जनकपुरी-ज्योतिनगर - जयपुर

धावास जैन मंदिर में दशलक्षण महापर्व की तैयारियां शुरू, सजेगी भव्य झांकी

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाद्रपद मास जैन धर्मावलंबियों के लिए अति महत्वपूर्ण एवं आत्म शुद्धि का महीना होता है जिसमें समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने दैनंदिन जीवन में संयम और साधना का पालन करने का प्रयास करता है। इसी क्रम में सभी जैन मंदिरों में मास के अंतिम दस दिनों में दशलक्षण महापर्व अत्यंत भक्ति-भाव से विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के साथ मनाया जाता है। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति एवं श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल, धावास की ओर से दशलक्षण महापर्व पूज्य आचार्य श्री 108 सुनील सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से संघस्थ ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी के निर्देशन एवं सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। सकल दिगम्बर जैन समाज, धावास की बैठक में दशलक्षण महापर्व के दौरान प्रतिदिन विधान मण्डल पूजन, मेडिटेशन, रतनकरण्ड श्रावकाचार, स्वाध्याय सहित सांयकालीन महाआरती एवं णमोकार महामंत्र के पाठ के पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया और 2 सितम्बर को धूपदशमी के उपलक्ष में ''गिरनार का सच - जैनत्व जगाओ-तीर्थ बचाओ'' झांकी का सजीव मंचन किया जाएगा। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के परम संरक्षक गजेन्द्र-प्रवीण-विकास बड़जात्या ने बताया कि इस भव्य झांकी का उद्घाटन अलवर शहर के पूर्व विधायक एवं मुनि भक्त बनवारी लाल-विपिनलता सिंघल के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। संरक्षक एवं मंदिर निर्माण संयोजक जय कुमार जैन-बड़जात्या (सीकर वाले) ने अवगत कराया कि धूपदशमी पर लगने वाली झांकी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत एवं ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर ने आने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र बैद एवं मंत्री मितेश ठोलिया ने कहा कि दशलक्षण महापर्व को धूमधाम एवं अपार भक्ति के साथ मनाने की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही है। कोषाध्यक्ष हेमेंद्र लुहाड़िया, सह मंत्री नरेंद्र गोधा एवं मनोज जैन ने बताया कि श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल ने पूरे आयोजन का खाका तैयार कर लिया है और उसे मूर्त रूप देने के लिए सभी समाज बंधु एकजुटता से तत्पर हैं। महिला मण्डल की सरिता लुहाड़िया एवं सीमा बड़जात्या के अनुसार दशलक्षण महापर्व के कार्यक्रमों के अंतर्गत धार्मिक प्रश्नोत्तरी, लघु नाटिका, आरती सजाओ प्रतियोगिता, भजन प्रतियोगिता, धार्मिक ड्रेस प्रतियोगिता आदि का आयोजन कर जिन धर्म प्रभावना बढ़ाने पर जोर दिया जायेगा। समिति के संरक्षक ललित काला, कार्यकारिणी सदस्य कमल जैन, विनय जैन, नरेश सौगाणी, रीता जैन आदि ने बताया कि दशलक्षण महापर्व की शुरूआत के पहले दिन पाण्डाल उद्घाटन के उपरांत ब्रह्मचारिणी पूर्णिमा दीदी एवं सुमन दीदी के निर्देशन में 48 दीपकों के 48 मण्डलों के साथ संगीतमय भक्तामर पाठ का मांगलिक आयोजन सम्पूर्ण धावास जैन समाज की ओर से किया जायेगा। उपाध्यक्ष प्रमोद काला एवं सह कोषाध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने बताया कि इस महापर्व के दौरान आईएएस नवीन जैन, रवि जैन, निशांत जैन सहित अनेक राजकीय अधिकारी एवं राजनेता धावास मंदिर जी में देवाधिदेव 1008 श्री शांतिनाथ भगवान के दर्शनार्थ आयेंगे। कार्यकारिणी सदस्य नेमीचंद जैन, पारस जैन, भंवरलाल, हेमराज जैन ने बताया कि धूपदशमी पर आयोजित अलौकिक झांकी को निहारने एवं अवलोकन के लिए अनेक गणमान्य श्रेष्ठीगण आयेंगे।

तीये की बैठक

हमारी आदरणीय

श्रीमती राजमती रांवका

का आकस्मिक निधन 6 अगस्त ,2025 को हो गया हैं।

तीये की बैठक श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मीरा मार्ग, मानसरोवर पर शुक्रवार, 8 अगस्त को प्रातः 9 बजे होगी।

शोकाकुल

महेंद्र कुमार (पति),अनिल-प्रेमा (पुत्र-पुत्रवधु),
संजय-मनीषा (भतीजा - भतीजा वधू) हर्षित-रितिका ,यश, (पौत्र-पौत्रवधु),
वीर (प्रपोत्र), प्रेम चंद, तारा चंद ,महावीर एवं समस्त रांवका परिवार

पीहर पक्षः रतन देवी, राजकुमार- सरोजनी(भाई-भाभी), सुधा-अशोक लुहाडिया (बहन बहनोई) युतिप्रकाश, डॉक्टर मोहन, नरेंद्रकुमार, राजेंद्र, (भतीजे)

तीये की बैठक

हमारी आदरणीय

श्रीमती राजमती रांवका

का आकस्मिक निधन 6 अगस्त ,2025 को हो गया हैं। तीये की बैठक श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मीरा मार्ग, मानसरोवर पर शुक्रवार, 8 अगस्त को प्रातः 9 बजे होगी।

शोकाकुल

शशि -अनंत कासलीवाल, इंदु-राजेश बड़जात्या, (पुत्री - दामाद)
शिप्रा- जयवंत बाकलीवाल, (पौत्री - दामाद) सुमन - बाबूलाल गोदिका,
(ननद - नंदोई), पीयूष- विनयलता कासलीवाल, कुसुम, अर्चना,
सुनील पाटनी (ढूंढया), (भांजा- भांजा बहु) अजय - निधि बड़जात्या,
अंकेश - वैदिका, रितु, मोहित, पलाश, ध्रुव , रितिशा (दोहिते- दोहिता वधू)

वेद ज्ञान

अपनी खुशी

भीतर की अपनी खुशी, अपनी संतुष्टि ही नैसर्गिक खुशी होती है। इसकी तैयारी भीतर से ही करनी होती है। इस खुशी के रहते हुए कोई बाहर का तत्व हमें दुखी नहीं बना सकता। भीतर की जो वास्तविक खुशी है वह कुएं के पानी के उस अनवरत स्नोत की तरह है जो जमीन के अंदर से आता है। कुएं के पानी की तरह अंदर से निकला खुशी का निर्मल झरना आत्मा, हमारे तन-मन और समूचे जीवन को आनंदित कर देता है। निरंतर बहने वाले इस खुशी के स्नोत को अगर कोई रोकता है तो वह हैं-हमारे मन में बसे सक्रिय दुर्गुण और वासनाएं। हम बाहर से कितने ही अच्छे काम कर लें, लेकिन अगर भीतर से खुश रहने के लिए तैयार नहीं हैं तो अच्छे से अच्छा काम भी यंत्र-वत बनकर रह जाएगा। यदि हम भीतर से खुश रहने के लिए तैयार हैं तो फिर हमारा हर काम अपने आप में अनूठा होगा, आनंददायी होगा। बाहरी खुशी ऊपर रखी टंकी का वह पानी है जो रोज भरा जाता है और रोज टंकी खाली हो जाती है। टंकी में डाला गया पानी इंद्रियों द्वारा भोगे जाने वाले सांसारिक भोग-विलास हैं। इंद्रियां इन्हीं बाहरी पदार्थों से सुख चाहती हैं, लेकिन बाहरी पदार्थ से कभी वास्तविक खुशी न किसी को मिली है न मिलेगी। इन्हें तो रोज भरना खाली होते रहना है। अपनी खुशी दूसरों में खोजने वाले लंबे समय तक जीवन-यात्रा नहीं कर पाते हैं, लेकिन संसार में रहना है तो दूसरों के बिना जीवन कट भी नहीं सकता। सुख मिले या दुख, संबंध तो निभाने पड़ते ही हैं। एक बार अगर हमने अपने भीतर की खुशी को जान लिया है तो खुशी हमारी मुट्ठी में है। हम सभी चाहते हैं कि कैसे भी, किसी भी प्रकार से खुशी मिल जाए। विभिन्न प्रकार के वर्कशॉप, आयोजन, महोत्सव किए जाते हैं, लेकिन खुशी कोई आयातित बाहरी पदार्थ नहीं है। यह तो हमारी मानसिक अवस्था है, हमारी सोच की दिशा है। यही दिशा जब सकारात्मक होती है तो खुशी में बदल जाती है। बाहर से प्राप्त खुशी वास्तविक न होकर अस्थाई रूप से प्राप्त खुशी की प्रतिछाया होगी। उस व्यक्ति या परिस्थिति जिससे हमने यह प्रतिछाया प्राप्त की है, के हटते या अलग होते ही वह खुशी भी हमसे दूर हो जाएगी। स्थाई रूप से खुश रहने के लिए आवश्यक है कि हम अपनी खुशी अपने भीतर ही तलाश करें।

संपादकीय

राज्यों की वित्तीय सेहत

क्रिसिल की एक हालिया रिपोर्ट दिखाती है कि भारत के 18 सबसे बड़े राज्य जो मिलकर देश के सकल राज्य घरेलू उत्पाद यानी जीएसडीपी में 90 फीसदी से अधिक का योगदान करते हैं, उनका राजस्व 2025-26 में 7 से 9 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। 2024-25 में यह महज बढ़त 6.6 फीसदी थी। कुल समेकित राजस्व के 40 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान है। इसमें वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह, शराब पर यानी

आबकारी शुल्क में इजाफे और बेहतर केंद्रीय हस्तांतरण की अहम भूमिका है। पेट्रोलियम कर संग्रह जरूर 2 फीसदी की वृद्धि के साथ कमजोर बना हुआ है। यह स्पष्ट रूप से राज्यों की वित्तीय हालत में स्थिरता का संकेत है। यह स्थिरता ऐसे समय में नजर आ रही है जबकि वैश्विक हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं और घरेलू आर्थिक हालात भी वैसे ही हैं। यह पूंजीगत आवंटन में तेज वृद्धि की स्थितियां निर्मित करता है। हालांकि यह गहन ढांचागत मुद्दों की ओर भी ध्यान आकर्षित करता है। राजस्व वृद्धि दशक के 10 फीसदी के औसत से कम बनी हुई है और अधिकांश राज्य बहुत हद तक केंद्र से होने वाले हस्तांतरण पर निर्भर हैं। 2015-16 से 2024-25 तक राज्यों के राजस्व का 23 से 30 फीसदी तक हिस्सा केंद्र के हस्तांतरण से आया। 2000 और 2010 के दशक में वह 20 से 24 फीसदी के बीच हुआ करता था। इसके साथ ही गत दशक में राज्यों के गैर कर राजस्व में केंद्र सरकार के अनुदान 65 से 70 फीसदी के हिस्सेदार रहे जबकि पहले इनका योगदान 55 से 65 फीसदी तक होता था। यह दीर्घकालिक रुझान इस बात को रेखांकित करता है कि कैसे केंद्र की भूमिका बढ़ रही है। और राज्यों के पास अपनी वित्तीय हालत सुधारने के स्वतंत्र उपाय सीमित हो रहे हैं। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की रिपोर्ट भी दिखाती है कि 2024-25 में राज्यों द्वारा अपनी राजस्व प्राप्तियों का 58 फीसदी हिस्सा अपने कर और गैर कर स्रोतों से हासिल किया गया जबकि 42 फीसदी राजस्व केंद्रीय करों में हिस्सेदारी और केंद्र के अनुदान से हासिल होने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2023-24 में राज्यों की वित्तीय स्थिति को लेकर जो रिपोर्ट पेश की थी उसमें कहा गया था कि राज्य सरकारों का समेकित ऋण जीडीपी अनुपात 28.5 फीसदी है जो वित्तीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन समीक्षा समिति द्वारा तय 20 फीसदी की सीमा से अधिक था। आंकड़े बताते हैं कि 12 राज्यों का ऋण झ जीएसडीपी अनुपात 2023-24 में 35 फीसदी का स्तर पार कर गया जबकि करीब 24 राज्यों का अनुपात 20 फीसदी से अधिक था। बहरहाल कुछ को छोड़कर अधिकांश राज्यों का प्रदर्शन केंद्र से बेहतर रहा है। कई राज्यों ने बजट पारदर्शिता में सुधार किया है, सामाजिक क्षेत्र में अपन क्षमताएं बेहतर की हैं और पूंजीगत व्यय को प्राथमिकता दी है वास्तव में अधिकांश राज्यों ने काफी हद तक राजकोषीय समझदारी दिखाई है। उन्होंने मोटे तौर पर एफआरबीएम के मानकों का पालन किया और अपने राजकोषीय घाटे को जीएसडीपी के 3 फीसदी तक सीमित रखा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बादल और आपदा

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में धराली गांव के ऊपर बादल फटने से मची तबाही का मंजर बेहद डरावना था। इस कुदरती हादसे में वास्तविक नुकसान तो खैर बचाव व राहत कार्यों के खत्म होने के बाद ही पता चल सकेगा, मगर जिस तरह चंद सेकंडों में दर्जनों पक्के मकान और होटल जमींदोज हो गए, उससे एक बार फिर यही पुष्ट हुआ है कि पुराने हादसों से हमने कुछ नहीं सीखा। इस विध्वंस के जो वीडियो फुटेज सामने आए हैं, वे साफ-साफ दिखा रहे हैं कि खीर गंगा नदी के बहाव क्षेत्र में बड़ी संख्या में कई कई मंजिल की इमारतें खड़ी हो चुकी हैं। बल्कि एक पूरा बाजार विकसित हो चुका है। अगर तंत्र ने वहां की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए मानव बसाहट के विस्तार की योजना बनाई होती, तो इस तबाही से बचा जा सकता था। बहरहाल, संतोष की बात यह है कि जल्द ही सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई और मलबे में दबे लोगों को बाहर निकालने का काम शुरू हो गया। एम्स ऋषिकेश को भी आपात स्थिति के लिए सचेत कर दिया गया, ताकि घायलों को तत्काल जरूरी उपचार मिल सके। मानसून के समय पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं होती रहती हैं, मगर इस सच्चाई से नहीं मुकरा जा सकता कि पिछले एक दशक में इनकी बारंबारता बढ़ी है। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के स्थानीय जलचक्र में बदलाव इसकी बड़ी वजह है। पहले पहाड़ी इलाकों में इंसानी गतिविधियां कम होती थीं, मगर हाल के दशकों में विकास कार्यों के कारण बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई, वनों में आग लगने की अधिक घटनाओं और पर्यटन के अधिकाधिक दोहन के लिए अविवेकपूर्ण निर्माण कार्यों ने स्थानीय पारिस्थितिकी को बुरी तरह प्रभावित किया है। निस्संदेह, पहाड़ी इलाकों के बाशिंदों को आधुनिक सुख-सुविधाएं मिलनी चाहिए। सड़क, बिजली और अस्पताल जैसी बुनियादी सहूलियतों पर भी उनका अधिकार है। मगर उनके लिए सुविधाएं जुटाते समय इन इलाकों की नाजुक पर्यावरणीय स्थितियों को ध्यान में रखने की भी जरूरत है। विडंबना यह है कि हमारी विकास परियोजनाओं में स्थानीय लोगों की आवश्यकता से अधिक सैलानियों की सहूलियत रहने लगी है। इस पर नए सिरे से गौर करने की जरूरत है। उत्तरकाशी की इस घटना ने जून 2013 के केदारनाथ हादसे की यादें ताजा कर दी हैं, जिसमें पांच हजार से अधिक श्रद्धालु और स्थानीय लोग असमय काल के गाल में समा गए थे। उस हादसे में भी गांव के गांव बह गए थे और तब काफी जोर शोर से यह मांग उठी थी कि संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में मानव बसाहट व निर्माण कार्य को लेकर नए सिरे से नीति-निर्धारण किया जाए। धराली बाजार की तबाही बता रही है कि इस दिशा में कितनी संजीदगी से काम हुआ है! यह स्थिति सिर्फ पहाड़ी इलाकों की नहीं है, प्रयागराज और बनारस में घरों में पानी घुसने की तस्वीरें भी अखबारों में रोज साया हो रही हैं। जल विशेषज्ञों की मानें, तो पहले ढाई दिनों में बाढ़ का पानी इसलिए उत्तर जाता था, क्योंकि उनकी निकासी के मार्ग अवरुद्ध नहीं होते थे। अब उन रास्तों पर कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। ऐसा नहीं है कि विकसित देशों को कुदरत बख्श देती है या वहां बाढ़ से लोग नहीं मरते, पर उनकी नीतियां मानव क्षति को न्यूनतम करने के दर्शन से प्रेरित होती हैं।

! ! भावभीनी श्रद्धांजलि ! !

सन्मति ग्रुप के पूर्व सचिव श्री अनिल-प्रेमा रांवका की आदरणीय माताजी श्रीमती राजमती रांवका धर्मपत्नी श्री महेंद्र जी रांवका का आकस्मिक स्वर्गवास दिनांक 06 अगस्त 2025 को हो गया है आप मिलनसार, धार्मिक, मुनिभक्त तथा सेवाभावी संस्कारों की धनी महिला थी। परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुःख की घड़ी में सम्बल प्रदान करे।

सरलता और वात्सल्य की प्रतिमूर्ती के देवलोगमन पर हम सभी अपने अन्तर्मन की गहराई से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धावनत :: दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर

मनीष-शोभना लोंग्या अध्यक्ष	राकेश-समता गोदिका संस्थापक अध्यक्ष	सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या संरक्षक	दर्शन-विनिता जैन संरक्षक	विनोद-शशि तिजारिया संरक्षक	राजेश-जैना गंगवाल संरक्षक	दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक	राजेश-रानी पाटनी सचिव

संजय-ज्योति छाबड़ा वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राकेश-रेणु संधी वरिष्ठ उपाध्यक्ष	चक्रेश-पिंकी जैन उपाध्यक्ष	विनोद-हेमा सोगानी उपाध्यक्ष	अनिल-ज्योति चौधरी उपाध्यक्ष	सुनील-सुनीता गोदिका उपाध्यक्ष	नितेश-मीनू पाण्ड्या संगठन सचिव

अनिल-अनिता जैन संगठन सचिव	प्रदीप-प्राची बाकलीवाल संयुक्त सचिव	चेतन-डॉ.अनामिका पापड़ीवाल संयुक्त सचिव	कमल-मंजु ठोलिया सांस्कृतिक सचिव	राजेन्द्र-कुसुम जैन खेल सचिव	दिलीप-प्रमिला जैन कोषाध्यक्ष

कार्यकारिणी सदस्य : राजेश-रीतु छाबड़ा ⁂ डॉ अनुपम-विनीता जैन ⁂ सपन-रजनी छाबड़ा ⁂ पंकज-नीना जैन ⁂ राकेश-नीरा लुहाड़िया

विशेष आमंत्रित : अशोक-अर्चना पाटनी ⁂ अशोक सेठी

Printed by : Vardhman Printers # 9314263204

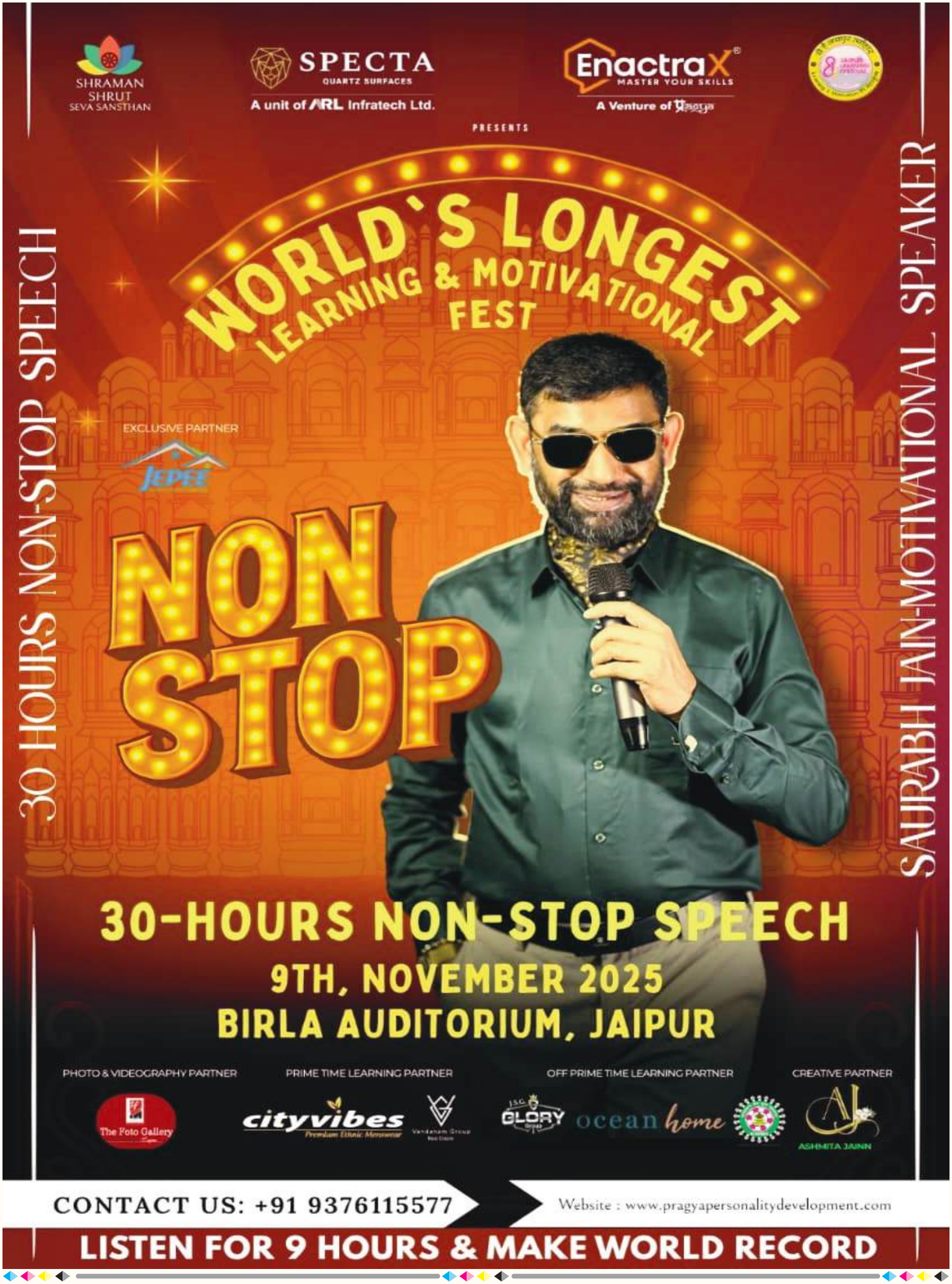
SHRAMAN SHRUT SEVA SANSTHAN
SPECTA QUARTZ SURFACES
A unit of ARL Infratech Ltd.
EnactraX MASTER YOUR SKILLS
A Venture of Pragya
PRESENTS
WORLD'S LONGEST LEARNING & MOTIVATIONAL FEST
30 HOURS NON-STOP SPEECH
SAURABH JAIN-MOTIVATIONAL SPEAKER
EXCLUSIVE PARTNER
JEPEE
NON STOP
30-HOURS NON-STOP SPEECH
9TH, NOVEMBER 2025
BIRLA AUDITORIUM, JAIPUR
PHOTO & VIDEOGRAPHY PARTNER
PRIME TIME LEARNING PARTNER
OFF PRIME TIME LEARNING PARTNER
CREATIVE PARTNER
The Foto Gallery
cityvibes
GLORY
ocean home
ASHMITA JAINN
CONTACT US: +91 9376115577
Website : www.pragyapersonalitydevelopment.com
LISTEN FOR 9 HOURS & MAKE WORLD RECORD

INTERNATIONAL VAISH FEDERATION
WOMEN WING, DISTRICT JAIPUR
Sankalp
Fiesta of Togetherness
Wednesday, 6 August 2025
Time : 1:00 pm to 7:00 pm
Venue : Multipurpose Hall, Rajasthan International Centre (RIC) Jaipur
Gift Sponsor
PUSHP
BRAND
Assured Gift
CHIEF GUEST
MANJU BAGHMARE
State Minister, Public Works, Women & Child Department
Govt. of Rajasthan
PRESIDING
NEHA GUPTA
Director,
Manglam Plus Medicity Hospital, Jaipur.
LAMP LIGHTING
SURESH AGARWAL
BUSINESSMAN
HONORABLE GUEST
Smt. Anila Kothari
Senior Vice-Chairperson
BMCHRC
HONORABLE GUEST
J.D. MAHESHWARI
Director, SGM
HONORABLE GUEST
ASHOK PATNI
Managing Director
CBI Group, Sitapura Industrial Area, Jaipur
सम्माननीय अतिथि
श्री ध्रुवदास अग्रवाल
प्रदेश प्रभारी
श्री एन.के गुप्ता
प्रदेश अध्यक्ष
श्री गोपाल प्रसाद गुप्ता
प्रदेश महामंत्री
श्री सुरेश कालानी
प्रदेश कोषाध्यक्ष
चारू गुप्ता
प्रदेश महिला अध्यक्ष
सीमा सेठी
प्रदेश महिला महामंत्री
निधि डाटा
संरक्षक
सरोज बंसल
प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष
मनीष गुप्ता
अध्यक्ष यूथ विंग
डॉ. श्याम अग्रवाल
मुख्य संरक्षक, सलाहकार
केदार गुप्ता
महामंत्री यूथ विंग
हरिशंकर गुप्ता
कोषाध्यक्ष
सुधीर गोधा
अध्यक्ष आईवीएफ, जिला-जयपुर
कमल संचेती
वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष
सीए संजय पाबूवाल
महामंत्री-आईवीएफ, जिला-जयपुर
जयकुमार जैन
वरिष्ठ कार्यकारी सचिव
सीए आर.के. गुप्ता
कोषाध्यक्ष
तरूण जैन
अध्यक्ष, जिला यूथ
आकाश खण्डेलवाल
कार्यकारी अध्यक्ष
कपिल सेठी
कार्यकारी सचिव
अंकुर खण्डेलवाल
सचिव, जिला यूथ
आयोजक
सारिका जैन
जिला अध्यक्ष
रितु कासलीवाल
वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष
रश्मि छाबड़ा
वरिष्ठ कार्यकारी अध्यक्ष
अनिता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
सुनीता जैन
कोषाध्यक्ष
सुषमा माहेश्वरी
जिला सचिव
MALABAR
GOLD & DIAMONDS
वरिष्ठ उपाध्यक्ष
मीनाक्षी पाटोदिया
सोनिया अग्रवाल
उपाध्यक्ष
मोनिका गुप्ता, पूनम माहेश्वरी
विनीता अजमेरा
संयुक्त सचिव
अंजु अग्रवाल, अंजलि गुप्ता
पूजा गुप्ता, शैला गुप्ता
HOUSE OF GLAMOUR
CAKE AWAY
कार्यकारिणी सदस्य
डोली जैन, कविता जैन, मीनाक्षी सोगानी, मंजू खण्डेलवाल, नेहा जैन, निधि जैन, पूजा कानोडिया, रमिता जैन,
रूचि खण्डेलवाल, रेणु अग्रवाल, सरोज जैन, सारिका अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सीमा गोधा, उर्वषी सिंघल, विनीता सोगानी
NOTE : ENTRY BY COUPON ONLY

जैन युवा एकता संघ ने 45 विद्यार्थियों को बांटी कॉपियां और पेंसिल बॉक्स

जयपुर. शाबाश इंडिया

बुधवार को अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ मानसरोवर संभाग द्वारा मानसरोवर के वरुण पथ स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में अध्ययन कर रहे 45 नन्हे छात्र - छात्राओं को कॉपियों का सेट और पेंसिल बॉक्स भेंट किया गया। कार्यक्रम संयोजक कुलदीप छाबड़ा और राकेश जैन ने बताया कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय वरुण पथ पर गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बच्चे अध्ययन करते है, अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने एक अभिभावक के तौर पर अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए विद्यार्थी अपना भविष्य सवार सके उसके लिए मदद का हाथ आगे बढ़ाया और स्कूल में पढ़ने वाले सभी 45 विद्यार्थियों को कॉपियां और पेंसिल बॉक्स भेंट की, इस दौरान संभाग के सभी सदस्य प्रमोद बाकलीवाल, नरेश शाह, एडवोकेट शैलेन्द्र छाबड़ा, सुदर्शन पाटनी, हर्षित गोधा, अनुज गंगवाल, अनंत जैन, हर्षित जैन, शशांक जैन, श्रीमती प्रिया जैन, अंकिता जैन, कविता जैन, शिखा जैन सहित सभी सदस्यों ने स्वयं उपस्थित हुए बल्कि छात्र - छात्राओं से वार्तालाप कर उनका मनोबल भी बढ़ाया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

जयपुर जिला जूनियर (अंडर-19) में राज कपूरओपन में एवं आशी उपाध्याय गर्ल्स में शतरंज विजेता

जयपुर. शाबाश इंडिया

सेंट सोल्जर पब्लिक स्कूल, सी-स्कीम, जयपुर में 2 और 3 अगस्त 2025 को आयोजित जयपुर जिला जूनियर (व-19) ओपन एवं गर्ल्स शतरंज चैंपियनशिप 2025 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह प्रतियोगिता जयपुर चेस एकेडमी और जयपुर चेस क्लब द्वारा आयोजित तथा जयपुर जिला शतरंज संघ के तत्वावधान में हुआ। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने बताया मुख्य अतिथि मधु मेहता उपाध्यक्ष जयपुर जिला शतरंज संघ एवं राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी रेफरी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता के आयोजन सचिव विक्रम सिंह रहे। प्रतियोगिता के टॉप-4 खिलाड़ी आगामी राजस्थान जूनियर शतरंज चैंपियनशिप 2025 में जयपुर जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे।

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा दो बच्चों की फीस जमा करवाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर स्पार्कल द्वारा निर्मल विवेक स्कूल (विमंदित बच्चों का स्कूल) में 2 बच्चों की पूरे वर्ष की फीस जमा करवाई गयी।इस अवसर पर स्कूल के सभी छोटे, बड़े बच्चों को राखी बांधकर उनके साथ खुशियां बांटी।सभी बच्चों को केले, बिस्किट, कुरकुरे, वितरित किये। उक्त नेक कार्य मे क्लब की अध्यक्ष लॉयन सुजाता स्वर्णकार, कोषाध्यक्ष लॉयन मृदुला जैन के साथ मंजू पूरी, विजिया कोठारी, सरोज रूंगटा उपस्थिति रही।

'ज्ञान की प्रधानता अथवा धन की' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर में आयोजित संस्कृत सप्ताह महोत्सव 2025 के अन्तर्गत दिनांक 5.08.2025 को श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय में 'ज्ञानस्य प्राधान्यम उत धनस्य' अर्थात 'ज्ञान की प्रधानता अथवा धन की प्रधानता' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्वान डॉ. ललित किशोर शर्मा ने किया। प्रतियोगिता का माध्यम संस्कृत, हिन्दी एवं अंग्रेजी रखा गया। प्रतिभागियों ने तीनों भाषाओं में अपने विचार प्रस्तुत किए। इसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय के प्राक शास्त्री, शास्त्री एवं शिक्षा शास्त्री वर्ग के विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्या ददाति विनयम' से लेकर 'यस्य वित्तं स वां मित्रम्, यस्य वित्तं स वां पंडित' जैसी उक्तियों के माध्यम से ज्ञान और धन की महत्ता को बताकर प्रतिभागियों ने अपना - अपना पक्ष मजबूती से रखा। ज्ञान से धन अर्जित किया जा सकता है, प्रसिद्धि प्राप्त की जाती है तो ज्ञान अर्जित करने के लिए आज के युग में धन की आवश्यकत पडती है।' ऐसे प्रश्न उठाकर प्रतिभागियों ने एक - दसरे के पक्ष को कमजोर करने का प्रयास किया। ज्ञान रूपी पूंजी और धन रूपी पूंजी की सार्थकता साबित करने के लिए कई दृष्टान्त प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में डॉ. विजेन्द्र मीणा, डॉ. सुभाष शर्मा और डॉ० श्रुति पारीक ने निर्णायक की भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम 8.05.2025 को संस्कृत सप्ताह के समापन समारोह कार्यक्रम में किया केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर में किया जाएगा।

जिनवाणी सुरक्षा एवं सज्जा अभियान को मिला मंगल आशीष परम पूज्य भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महाराज का

सहारनपुर. शाबाश इंडिया

भावलिंगी संत परम पूज्य आचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में 'जिनवाणी सुरक्षा एवं सज्जा अभियान' के अन्तर्गत श्री दि० जैन महिला पंचान समिति, महिला समाज सहारनपुर के सौजन्य से 'अहोभाग्य तीर्थ क्षेत्र' वीर नगर जैन बाग सहारनपुर में 'सम्मान समारोह का भव्य हर्षोल्लास के मंगलमय वातावरण में आयोजन किया गया। धर्ममयी सहारनपुर नगरी के 25 दिगंबर जैन जिनालयों में किये गये। निरीक्षण का परिणाम घोषित कर 10 चल शील्डे शोरमियान, जानकी धाम, दीनानाथ, छत्ता बारूमल, मदनपुरी आदि जिनालयों की संयोजिकाओं को प्रदान की गई। सभी 25 जिनालयों की संयोजिका को अरुण कुमार जैन (कोषाध्यक्ष जैन समाज) एवं श्रीमति शशी जैन (शिरोमणि संरक्षिका) के सौजन्य से शील्डों द्वारा सम्मानित किया गया।श्रुत पंचमी पर्व पर आयोजित अखिल भारतीय जिनवाणी सज्जा प्रतियोगिता जिसमे 3671 संयोजिका ने अपने जिनालयों की सज्जित जिनवाणी के फोटो भेजे थे। उसमें सहारनपुर की संयोजिका रीता जैन शोरमियान ने षष्टम एवं साधना जैन बड़तला यादगार ने नवम स्थान प्राप्त किया था उन्हें भी भूषण स्वरूप मुकेश कुमार जैन चैरिटेबल ट्रस्ट मेरठ के सौजन्य से शील्ड द्वारा सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय मीडिया पारस जैन ''पार्श्वमणि'' पत्रकार ने जानकारी देते हुवे बताया कि कार्यक्रम का कुशल संचालन डा. रेणु जैन (संस्थापिका जिनवाणी सुरक्षा एवं सज्जा अभियान, अध्यक्षा महिला समाज) द्वारा किया गया। राकेश जैन (संरक्षक), राजेश जैन (अध्यक्ष) अनिल जैन सी-ए. सभी ने डा० रेणुजैन अध्यक्षा, सरिता जैन महामन्त्री, शोभा जैन कोषाध्यक्षा के कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। अन्त में भावलिंगी सन्त आचार्य श्री विमर्श सागर जी महाराज की अमृतमयी वाणी से सभी सीचित हुये। आचार्य श्री ने कहा कि तीन लोक में यदि माँ की संज्ञा है तो वह जिनवाणी को है। हम सब सन्तान है चाहे बेटा हो या बेटी, मुनिराज हो या आर्यिका, श्रावक हो या श्राविका - जिनवाणी माता बिना भेदभाव के सबको अमृत रस का रसपान कराती है। जिनवाणी सुरक्षा एवं सज्जा का छोटा सा चिन्तन इतनी विशालता को प्राप्त हो गया है। 3671 संयोजिका व संयोजक एक साथ मिलकर माँ जिनवाणी की सेवा का कार्य जिनवाणी सुरक्षा एवं सज्जा अभियान के अन्तर्गत कर रहे हैं- मैं बहुत प्रफुल्लित हूँ, आनन्दित हूँ आपके इस परिश्रम को देखकर । माता बहने जब कुछ करने की ठान लेती हैं तो निश्चित रूप से वे अपने उस अभियान में अवश्य सफल होती हैं। जिनवाणी सुरक्षा एवं सज्जा अभियान एक भारतवर्षीय सकल दि० जैन समाज को जोड़ने का बहुत सुन्दर प्रयास है। यह अभियान पुण्यशाली जीवों की खोज है जिनकी पंचम काल में जिनवाणी में रुचि है। जिनवाणी की विनय करने से अपने कर्मों का क्षयोपशम होता है। एक मात्र जिनवाणी ही है जो हमारी उन्नति कर हमें संसार के दुखों से पार लगा सकती है।

मधु डोंगले के जन्मदिन पर अन्नपूर्णा संस्था का 126वां नेत्र शिविर संपन्न

22 के नेत्र परीक्षण पश्चात 14 निशुल्क ऑपरेशन दवाई चश्मा हेतु दाहोद रवाना

धामनोद. शाबाश इंडिया

शिक्षण संस्था संचालिका मधु विनोद डोंगले के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मां अन्नपूर्णा रोगी सेवा एवं पारमार्थिक संस्था धामनोद का 126 वा नेत्र शिविर बुधवार को दृष्टि नेत्रालय दाहोद के तकनीकी सहयोग से सेवाधाम परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि विनोद डोंगले, मधु डोंगले, विशिष्ट अतिथि विकास पटेल मंच पर दीपक प्रधान की अध्यक्षता में मंचासिन रहे। अतिथियों का मोतियों की माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान कर स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। माधुरी हथिनी की स्वतंत्रता हेतु समर्थन प्रकट किया गया। कुल 22 मरीज का परीक्षण कर 14 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया । जिन्हें दाहोद में निशुल्क ऑपरेशन, दवाई, चश्मा हेतु भोजन पैकेट के साथ बस में ससम्मान बैठाकर रवाना किया गया । स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, सिकल सेल एनीमिया इत्यादि की जांच की गई। मधु डोंगले द्वारा संस्था को चाय की केतली भेंट की गई । बिजली कर्मचारी परसराम चौहान एवं शोभाराम द्वारा 2500-2500 रूपए का संस्था को दान दिया गया एवं विकास पटेल द्वारा एक दिन के मरीजों के भोजन की घोषणा की गई ।

ज्ञातव्य रहे कि राकेश पाटीदार द्वारा आजीवन खाद्य तेल एवं नटराज स्वीट्स द्वारा नेत्र शिविर हेतु दूध का निरंतर सहयोग किया जा रहा है।

श्रद्धा सत्य से भी बड़ी होती है सत्य में चमत्कार नहीं है श्रद्धा में चमत्कार होता है : मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज

मुनि श्री के तैल चित्र का हुआ लोकार्पण

एक लाख से अधिक श्री फलो का समर्पण होगा महा महोत्सव में : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्रद्धा सत्य से भी बड़ी होती है सत्य में चमत्कार नहीं है श्रद्धा में चमत्कार होता है दुनिया में जितने भी चमत्कार होते हैं श्रद्धा में ही होते हैं संसार में चक्रवर्ती से बढ़ा कोई हो नहीं सकता जिसे आप संसार में सर्वश्रेष्ठ मानते थे उस चक्रवर्ती को जैसे ही गंधोदक लगाते देखा तो लोग कहने लगें राजन क्या दुनिया में आप से भी बड़ा कोई है हम तो जगत में सबसे बड़ा आपको मानते थे आप से भी बड़ा कोई इस जगत में है ये भगवान को देखकर चमत्कार नहीं हुआ चक्रवर्ती को देखकर चमत्कार हुआ जिन महिमा क्या है जहां सबसे बड़ा व्यक्ति भगवान के चरणों में नमस्कार करे उसे देखकर हजारो म्लेच्छ खण्ड के राजा भगवान के चरणों में झुक गये ये कहलाती है जिन महिमा दर्शन उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

एक लाख एक हजार श्री फलो से होगी महा आराधना

इसके पहले धर्म सभा में जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि इस बर्ष रक्षा बंधन पर्व को श्रमण संस्कृति दिवस के रूप में परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज ससंघ के सान्निध्य में मनाया जा रहा है । इस हेतु देश विदेश से भक्तों के नाम ओनलाइन आ रहें हैं विष्णु कुमार महा मुनि राज दारा सात सौ मुनि राजों के उपसर्ग को दूर किया था उन महातपस्वी मुनिराजो को सात सौ श्री फलो के साथ अर्घ समर्पित किए जायेंगे।

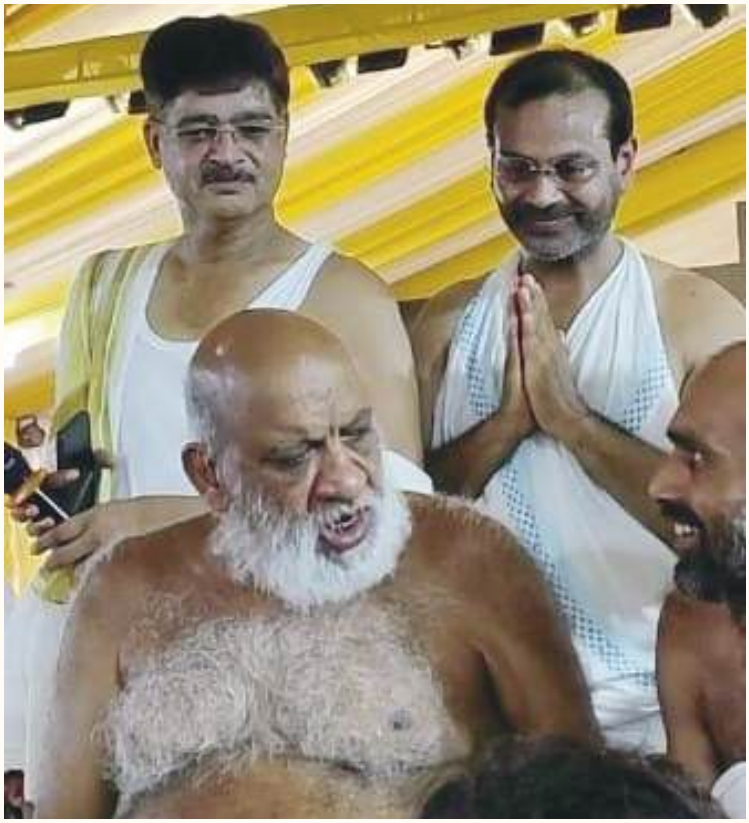

इस हेतु प्रत्येक परिवार को सात सात सौ श्री फल पंचायत कमेटी द्वारा उपलब्ध कराए जायेंगे । इस दौरान भक्तों द्वारा तैयार किए गए एक विशाल तैल चित्र का लोकार्पण जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर संयोजक उमेश सिघई संयोजक मनोज रन्नौद संयोजक मनीष सिंघई थूवोनजी कमेटी अध्यक्ष अशोक जैन टींगू महामंत्री मनोज भैसरवास श्रावक संस्कार शिविर पुणार्जक संजीव श्रागर शालू भारत मन्दिर सयोजक उमेश सिघई दारा चित्र वनने वालो के साथ किया गया । इस दौरान प्रमुख जनो ने मुनिश्री को श्री फल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

भगवान की कृपा नहीं हो रही होती तो आप यहां सुरक्षित नहीं होते

उन्होंने कहा कि प्रसंग चल था दुनिया अच्छी हो जाये यही भावना अनादि काल से चल रही है लेकिन आज तक दुनिया अच्छी नहीं हुई दूसरी भगवान की कृपा मेरे पास हों जायें भगवान की कृपा तो हो रही है तव ही तो अन्य लोग भी भगवान वन रहें हैंआप लोग भगवान की कृपा नहीं हो रही ऐसा लाक्षन लगा रहे हैं यदि कृपा नहीं हो रही होती तो आप यहां सुरक्षित नहीं होते कव कृपा नहीं हुई भगवान तो वे भी कृपा करके ही वने। लोग कह देते हैं कि

महाराज आपकी बहुत बड़ी गलती है आप बहुत लैटआये नहीं तो मैं भी मुनि महाराज वन जाता हम तो फंस गए संसार में कुछ नहीं है कोलू के बैल के समान जिंदगी हो गई अरे भाई तू तो आज बता रहा है हम तो ये सब देखकर ही वैराग्य को प्राप्त हुए मुझे तो नहीं पता ग्रहस्थी कैसी होती है आचार्य श्री कहा करते थे आप लोगों के चहरे देखकर पता चल जाता है कि आप सुखी नहीं है आप संसार से दुखी हो रहें हैं कोई ना कोई कमी तो है तव ही तो आप मुनि राज के चरणों में बैठे हो।

मां स्वप्न में भी बेटे का अहित नहीं सोच सकती

उन्होंने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में भीषण युद्ध किया युद्धा में पराजित देख कर मां ने बेटे से पूछा कि बेटा तेरी गर्दन बेटा दामोदर वोला मां तूं स्वप्न में भी मेरा अहित नहीं कर सकती तू मुझे जीवित रखेगी या मारेगी तेरा हित का भाव है बेटे को लग रहा है मां मार रही है तो मुझे लग रहा है कि मां मेरा हित कर रही है मां जो भी करेंगी मेरे हित में करेंगी जव बेटा सोच रहा है कि मां बाप जो भी सोचेंगे मेरे हित में सोचेंगे मां बाप कहते हैं बेटा तुम मन्दिर चले जाना क्योंकि मां बाप ने मन्दिर भेजा है मैं मन्दिर जाने के लिए विना विचार किया आया हूं क्योंकि मां ने कहा दिया बस इतना सा कार्य हो गया तो भगवान आपके पीछे दौड़ेगा उसे पता है कि ये आज्ञा का पालन कर रहा है आठ साल हो जाये तव सम्यक लाभ वर्धनी क्रिया होती है इसके पहले तो वच्चा मां बाप के कहने पर ही मन्दिर जाता है उसे कुछ भी ज्ञान नहीं रहता जैसे पिता सिर झुकाता है बेटा भी वैसे करता चला जाता है।

पर्यावरण संरक्षण एवं तीर्थ दर्शन कार्यक्रम 11 अगस्त को

डडूका. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल डडूका की अगस्त माह की मानसून बैठक सुंदरलाल स्वर्णकार के मुख्य आतिथ्य, सुंदरलाल पटेल की अध्यक्षता, गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया की उपस्थिति तथा योगेश सोनी की मेजबानी में आयोजित हुई। प्रारंभ में संचालक राजेंद्र कोठिया ने केंद्र की विगत माह की गतिविधियों पर सूचनाएं दी। सुंदरलाल पटेल ने सर्वसम्मति से वर्ष 2025-27 के लिए नए अध्यक्ष के रूप में रणजीत सिंह सोलंकी के नाम की घोषणा करते हुए कार्यकारिणी का गठन 30 सितंबर करने का आग्रह किया। नई कार्यकारिणी का कार्यकाल 01अक्टूबर से प्रारंभ होगा। पर्यावरण संरक्षण एवं तीर्थ दर्शन कार्यक्रम 11अगस्त को आयोजित करना तय कर रोकड़िया हनुमानजी प्रतापगढ़, गौतमेश्वर तीर्थ तथा पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर जाना निश्चित किया गया। आयोजन मे अजीत कोठिया, मणिलाल सूत्रधार, सुंदरलाल पटेल, रणजीत सिंह सोलंकी,विनोद पटेल, भूरालाल पाटीदार, दिनेश भाटिया, सूरजमल अहारी, राजेश महवाई, जगदीश वागड़िया, योगेश सोनी, जीवन राम पाटीदार, दीपेश कलाल ने हिस्सा लेने सहमति दी। इस अवसार पर बैठक को जनार्दन राय नागर, जगदीश जोशी, हितेश जैन, जसवंत रावल तथा जयदीप शर्मा ने सम्बोधित किया। गवर्निंग काउंसिल सदस्य अजीत कोठिया ने एपेक्स कार्यकारिणी के चुनाव 31अगस्त को ऑनलाइन आयोजित होने संबंधी जानकारी दी। संचालन राजेंद्र कोठिया ने किया, आभार योगेश सोनी ने व्यक्त किया।

महावीर ट्रस्ट इंदौर में नवीन ट्रस्टियों का मनोनयन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। महावीर ट्रस्ट की बैठक संपन्न। महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल द्वारा महावीर ट्रस्ट की वार्षिक बैठक में चार नवीन ट्रस्टियों को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया है । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि जिसमें समाजसेवी राकेश विनायका इंदौर, मुकेश पाटोदी इंदौर, पंकज जैन सुपारी वाले भोपाल, राजेश जी जैन, रागी बक्सवाहा (छतरपुर) ।इन चारों ट्रस्टी को मनोनयन उपस्थित ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सेठ खुरई, महामंत्री बाहुबली पांड्या, कोषाध्यक्ष आदित्यजी कासलीवाल, सुरेश जैन कछर, दिलीप चौधरी, विजय काला सनावद, आशीष चौधरी सनावद, अशोक खासगीवाला सीए इंदौर योगेन्द्र सेठी आनंद भवन, प्रियदर्शी जैन, टी के वेद सभी ने नवीन ट्रस्टियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं आशा व्यक्त की कि सभी के सहयोग और मार्गदर्शन में संस्था के उद्देश्यों का क्रियान्वयन होगा।

पुलिस कर्मियों को राखी बांध कर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

शांति जूनियर्स प्रताप नगर विद्यालय की बालिकाओं द्वारा प्रताप नगर थाना सेक्टर 26 के सभी पुलिस कर्मियों को राखी बांध कर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। कक्षा जूनियर केजी की छात्रा वृंदा अग्रवाल ने प्रताप नगर थाना पुलिस अधिकारी मनोज को तिलक लगा कर राखी बांध कर मुंह मीठा कराया। थाना अधिकारी ने सभी बालिकाओं को चॉकलेट खिला के अपना आभार व्यक्त किया। विद्यालय प्रिंसिपल अपर्णा माथुर ने थाना प्रमुख को स्मृतिचिह्न दे कर धन्यवाद व्यक्त किया।

निस्वार्थ भक्ति ही फलदाई: गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया। दानिश कुंज भोपाल के शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में मंगलवार को जैन आर्यिका भारत गौरव श्रमणी गणिनी विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन किए। उन्होंने कहा कि - निस्वार्थ भक्ति ही फलदाई होती है। लोभ पाप का बाप होता है। संतों का समागम बड़े पुण्य उदय से मिलता है। इसलिए हमें मानव जीवन पाकर गुरु के बताए मार्गों पर चलकर अपना आत्म कल्याण करना चाहिए। उन्होंने रात्रि भोजन को महापाप बताया। प्रवचन सभा में उत्तम जैन, बालचंद जैन, आभा जैन, सारिका जैन आदि श्रद्धालु मौजूद रहे। इस अवस्था में तप, ध्यान, संयम को अपनाया जाए तो आत्मा की शुद्धि, आत्मानुभूति संभव हो पाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मोह, माया, काम, क्रोध जैसे विकार आत्मा को बंधनों में जकड़ देते हैं। संतों के सानिध्य में आने से इंसान का अंहकार समाप्त हो जाता हैं। कर्म और भाग्य के अलावा संगत का असर भी होता है, जो व्यक्ति के जीवन का कल्याण करता हैं। इसके लिए साधुओं का सत्संग होना जरूरी हैं। संत तो स्वयं ही तीर्थ होते हैं। एक संत हजारों तीर्थ बनवा सकता हैं। लेकिन हजारों तीर्थ एक संत नहीं बना सकता। जीवन में इंसान को कुछ ऐसा करना चाहिए, जिससे तीर्थ बन जाए। अच्छे स्मारक बनाए जाए। माताजी के सान्निध्य में सोलह दिवसीय शांति विधान का आयोजन भी हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जा रहा है।

माँ की जान बचाने बेटी जाती तड़प...!

कंधमाल के गांव में अभी तक नहीं बनी है सड़क,
पीठ पे लाद माँ की जान बचाने बेटी जाती तड़प।
डुमेरी पाड़ा गांव में बालामादु नामक एक महिला,
सोते समय 'जहरीले सांप' ने काटा परिवार हिला।
महिला को अस्पताल पहुंचाने एंबुलेंस फोन किया,
गांव में सड़क नहीं एंबुलेंस का सारामुंडी में ठिया।

कंधमाल के गांव में अभी तक नहीं बनी है सड़क,
पीठ पे लाद माँ की जान बचाने बेटी जाती तड़प।
वह जंगल के रास्ते 'पांच' किलोमीटर पैदल चली,
भले व्यक्ति की मदद मिली तीन किलोमीटर बढ़ी।
मोटर साइकिल पर बिठा एंबुलेंस तक पहुंचवाया,
दुर्गम रास्तों से अस्पताल जाते उठा माँ का साया।

कंधमाल के गांव में अभी तक नहीं बनी है सड़क,
पीठ पे लाद माँ की जान बचाने बेटी जाती तड़प।
क्या? हुआ सड़क न बनी सत्तर साल तक दरकार,
कितनी पीढ़ियां निकलीं अभी रहम करों सरकार।
ग्रामीण प्रशासन से कर रहें सड़क बनाने की मांग,
सत्ता की चाबियां न उछालो न जाओं सीमा लांघ।
(संदर्भ-इलाज हेतू माँ को पीठ पे लाद 5 किलोमीटर पैदल चली बेटी)

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)
मो. 98260 25986

जागती हुई चींटी की शक्ति, सोते हुये हाथी से ज्यादा ताकतवर होती हैं : अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वषायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में वहां विभिन्न धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रुंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि जागती हुई चींटी की शक्ति, सोते हुये हाथी से ज्यादा ताकतवर होती है..मन के संकल्प की शक्ति, हजार हाथियों से बढ़कर होती है.. और हिम्मत हारने वालों की शक्ति, चींटी से भी कम हो जाती है..! मनुष्य की सभी शक्तियां मन के संकल्प पर निर्भर करती है। इसलिए मैं कहता हूं - कर लो दृढ़ संकल्प, देवता चरण पखारेंगे। मन के संकल्प की अद्भुत सम्भावनाएं है। जो लोग जिन्दगी में हारते हैं, उसमें उनकी परिस्थितियां कम होती है, क्योंकि उनके मन को हारने की स्वीकृति ज्यादा होती है। जो लोग ज़िन्दगी में असफल होते चले जाते हैं, उनकी असफलताओं में संसार बहुत कम साथ देता है और उनके सहयोग में बहुत कम हाथ बंटाता है। 100 में से 90 फीसदी आदमी मन से हारने को तैयार है, तो 10 फीसदी लोग उनका साथ देने को तैयार हो जाते हैं। आज की दुनिया में जो लोग जीतते चले जाते हैं, उनका भी नियम वही है और जो लोग हारते चले जाते हैं, उनका भी नियम वही है। जो लोग स्वस्थ है, उनके लिए भी नियम वही है और जो लोग अस्वस्थ है, उनके लिए भी नियम वही है। इस ज़िन्दगी में जो लोग शान्त है, उनके लिये भी वही नियम है और जो अशान्त है, उनके लिए भी वही नियम है। आप क्या होना चाहते हैं-? बहुत गहरे अर्थ में आप वही हो जाते हैं जो होना चाहते हैं। विचार वस्तुएं बन जाती है, विचार घटनाएं बन जाती है, और विचार व्यक्तित्व बन जाते हैं...!

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

श्रमण संस्कृति की रक्षा का पर्व है रक्षाबंधनः आचार्य सुंदर सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर की चित्रकूट कॉलोनी में प्रवासरत आचार्य सुंदर सागर महाराज के सानिध्य में बुधवार को आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री के समक्ष जिला न्यायाधीश प्रेमचंद शर्मा ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद लिया एवं उनके चरणों में स्वरचित भजन गाकर मंगलाचरण किया। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं महामंत्री मूल चन्द पाटनी ने बताया कि बुधवार को मंदिरजी में शांतिधारा के बाद आचार्य सुंदर साग महाराज ने धर्म सभा में प्रवचन देते हुए कहां कि दया धर्म का मूल है और यही जैन धर्म कहता है। जिसमें भगवान महावीर ने अहिंसा का उपदेश देते हुए जियो और जीने दो का संदेश दिया। प्राणीमात्र के कल्याण की भावना रखने वाला व्यक्ति हमेशा उच्चता को प्राप्त करता है। रक्षाबंधन पर्व का महत्व बताते हुए कहां कि यह पर्व पूरे विश्व में भाई-बहन का पर्व माना जाता है लेकिन यह पर्व श्रमण संस्कृति का पर्व है। मुनियों का पर्व है तथा धर्म से संबंधित है। आचार्य श्री ने रक्षाबंधन पर्व की कथा बताते हुए कहां की वह हस्तिनापुर नगरी जहां पर 700 मुनियों पर उपसर्ग हुआ था उनकी रक्षा विष्णु कुमार मुनि ने अपना पद त्याग करके की थी।

नसीराबाद के उड़ान स्कूल मे हुए चित्रकारी प्रतियोगिता

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। नसीराबाद के हनुमान चौक स्थित उड़ान स्कूल में चित्रकारी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ प्रिंसिपल डॉ रवि पथरिया ने बताया कि उड़ान स्कूल मे विशेष बच्चों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे विशेष बच्चों ने अपने मन उमड़ रहे रंगों को चित्रकारी रूप दिया, जिसे देखकर वंहा उपस्थित सभी लोग आत्ममुग्ध हो गए, इस कार्यक्रम को भारतीय सेना कि द्वारा करवाया गया, जिमसे सभी बच्चों को सेना द्वारा उपहार दिये गए,व बाद मे सेना द्वारा सभी बच्चों व अभिभावकों का भोजन कराया गया, कार्यक्रम मे सभी को प्रोजेक्टर पर एक फिल्म दिखाई गयी जिमसे स्कूल मे संचालित कार्यक्रम व बच्चों द्वारा कि गयी गतिविधियों का प्रदर्शन हुआ जिसे देख कर वंहा मौजूद सभी लोग भावूक हो गए, कार्यक्रम मे स्पीच थेरेपिस्ट भारती नागवान, विशेष शिक्षक पांचू सिंह उपस्थित रहे।

राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की बैठक

वृहद युवा एवं महिला सम्मेलन तथा सामूहिक गोठ रविवार को। आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में जयपुर में पहली बार होगा युवा सम्मेलन का विशाल आयोजन

समाज के विवाह योग्य युवक - युवतियों के लिए वैवाहिक परिचय सम्मेलन सहित कई समाजोपयोगी गतिविधियों का करेगी आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन युवा एवं महिला संगठनों की प्रदेश स्तरीय पंजीकृत प्रतिनिधि संस्था राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा गत 31 वर्षों से धार्मिक गतिविधियों के साथ मानव सेवार्थ एवं सामाजिक सेवा कार्य किये जा रहे हैं। इसी कड़ी में चल रहे भगवान महावीर के 2551 वें निर्वाण वर्ष के दौरान युवा एवं महिला एकता को मजबूती प्रदान करने के लिए आगामी रविवार, 10 अगस्त को आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में चित्रकूट कालोनी के कवर का बाग में दोपहर 1.00 बजे से वृहद् स्तर पर युवा एवं महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। साथ ही समाज के विवाह योग्य युवक - युवतियों के लिए फरवरी में वैवाहिक परिचय सम्मेलन सहित इस दौरान कई समाजोपयोगी गतिविधियों का आयोजन करेगी। यह निर्णय दुगार्पुरा स्थित ग्रीन नगर पर वन्दनम् में राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की आयोजित विशाल सभा में लिया गया। युवा महासभा के प्रदेश प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल छाबड़ा की अध्यक्षता में आयोजित इस मीटिंग का शुभारंभ विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र के तीन बार सामूहिक उच्चारण से किया गया। बैठक में युवा समाजसेवी मनोज सोगानी पहाड़ी वाले एवं अतुल मंगल ने अतिथि के रूप में सहभागिता निभाई। परिचय सत्र के बाद अपने स्वागत उदबोधन में प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल छाबड़ा द्वारा युवा महासभा द्वारा गत अवधि में की गई गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए सभी जोनो को अपने अधीनस्थ युवा एवं महिला संगठनों के माध्यम से जोनवार धार्मिक, सामाजिक व मानव सेवार्थ गतिविधियां करने, संगठन के चुनाव से पूर्व सदस्यता अभियान चलाने का आव्हान किया गया। इस मौके पर सांगानेर सम्भाग के अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया ने वृहद युवा सम्मेलन एवं सामूहिक गोठ की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि रविवार, 10 अगस्त को दोपहर 1.00 बजे से आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित होने वाले इस विशाल आयोजन में जयपुर महानगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लगभग 1500 युवा एवं महिलाएं शामिल होगी। सम्मेलन में अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए उप मुख्यमंत्री डॉ प्रेम चन्द बैरवा, सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक, सांसद मंजू शर्मा,पूर्व सांसद राम चरण बोहरा,पूर्व भाजपा अध्यक्ष अशोक परनामी, उप महापौर पुनीत कर्णावट सहित कई विधायकों, पार्षदों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। सांगानेर सम्भाग के महामंत्री एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन ने बताया कि युवा सम्मेलन एवं सामूहिक गोठ में मोटिवेशनल स्पीच, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक, सम्मान समारोह,जैन धार्मिक बम्पर हाऊजी, पुरस्कार वितरण, मंगल प्रवचन आदि कई कार्यक्रम होगें। प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि जयपुर महानगर में 150 से अधिक युवा एवं महिला संगठन, महिला मण्डल,जैन सोश्यल ग्रुप्स, दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप्स, संगिनी फारम आदि के सदस्यों सहित समाज के गणमान्य लोग शामिल होंगे। जैन के मुताबिक युवा महासभा के अधीनस्थ महिला एवं युवा संगठन धार्मिक एवं सामाजिक सेवा की गतिविधियां कर रहे हैं। जैन के मुताबिक मीटिंग में युवा महासभा के सहकार मार्ग स्थित राजस्थान प्रदेश कार्यालय पर जैन सूचना एवं सहायता केन्द्र शुरू करने, दशलक्षण महापर्व के दौरान मंदिरों में होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक एवं प्रतियोगिता वर्ग के कार्यक्रमों को पुरस्कृत करने, सुगंध दशमी पर जैन मंदिरों में सजने वाली झांकियों को पुरस्कृत करने, समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने, व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रमों का आयोजन करने, नवम्बर माह में इण्डौर गेम्स आयोजित करने सहित संगठन के जोन, सम्भाग, जिला कमेटी एवं प्रदेश कमेटी के त्रेवार्षिक चुनाव करवाने, प्रदेश में जिला एवं तहसील स्तर पर शाखाओं का गठन करने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर मनीष बैद, संजय पाण्डया, सुभाष बज, सीए दिनेश जैन,राजेश बडजात्या, चेतन जैन निमोडिया, मनीष सोगानी, मुकेश कासलीवाल, एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन, एडवोकेट राजेश काला, अशोक जैन गुढाचन्द्र, अनिल पाटनी, रेखा पाटनी आदि ने अपने विचार प्रकट करते हुए कई समाजोपयोगी योजनाओं के लिए सुझाव दिये। मीटिंग का संचालन प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी मनोज सोगानी की ओर से सभी को विश्व शांति प्रदायक णमोकार महामंत्र की फोटो भेट की गई। मीटिंग में युवा महासभा के सभी 5 सम्भागो एवं 15 जोनो के पदाधिकारियों एवं युवा महासभा के सैकड़ों विशिष्ट सदस्यों तथा समाज के अन्य युवा एवं महिला संगठनों के पदाधिकारियों ने सहभागिता निभाई।

भगवान महावीर की शिक्षाओं का अनुकरण करें: मुनिश्री आदित्य सागर जी

कीर्ति नगर जैन मंदिर में चल रहा विशुद्ध ज्ञान वर्षा योग 2025

जयपुर. शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि आदित्य सागर महाराज के सान्निध्य में कीर्ति नगर स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में बुधवार को आयोजित धर्म सभा में कहा कि आज जानते सभी हैं, मानते कितना है और उसका अनुकरण करने वाले कम लोग हैं जिस कारण हमारे साथ परेशानियां आती हैं । भगवान महावीर की वाणी को हम जानते हैं मानते हैं लेकिन इसका अनुकरण नहीं करते जिस कारण हम दुखी रहते हैं। मुनि श्री ने कहा कि भगवान महावीर के परिणामों से हमें अपने परिणाम मिलाना चाहिए। मैचिंग करनी है तो भगवान से करो जिससे दोबारा जन्म ही ना लेना पड़े। जीवन में कोई कलंक नहीं लगे यह बहुत दुर्लभ है । हमें ऐसा जीवन जीना चाहिए जिससे कोई कलंक ना लगे। मुनि श्री ने कहा कि जो हमारे योग्य नहीं है ऐसे लोगों के साथ उठना बैठना बंद कर देना चाहिए। विश्वास बनाने में पूरी जिंदगी लग जाती है और खोने में एक पल । जीवन में उतार चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन हमें उसमें घबराना नहीं चाहिए बल्कि उनका संघर्ष करना चाहिए। अपनों से ज्यादा बचकर रहना क्योंकि अपने ही कलंक लगाते हैं। भगवान राम जब वनवास गए थे तो उनकी जनता विलाप कर रही थी और सीता पर आरोप लगाया तो उसी जनता ने, इसलिए हमें अपनों से सजग रहना चाहिए। मुनि श्री ने कहा कि हमें मीठी वाणी बोलनी चाहिए, नहीं तो हमारे अपने भी पराए हो जाते हैं। जिसकी भाषा खराब है ऐसे लोगों की संगति नहीं करनी चाहिए संगति अच्छे लोगों की करोगे तो भाषा में सुधार होगा जितना कम बोलोगे उतना अच्छा होगा जब हम घर में कचरा नहीं रखते तो दिमाग में कचरा क्यों रखें। इससे पूर्व भगवान पार्श्वनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं मंगलाचरण किया गया। सायंकाल 6.25 बजे श्रुत समाधान कार्यक्रम हुआ। आरती के बाद समापन हुआ। प्रचार संयोजक आशीष बैद ने बताया कि विशुद्ध ज्ञान वर्षा योग - 2025 के अन्तर्गत प्रातः 3.00 बजे से पूर्व रात्रिक स्वाध्याय से मुनि संघ की दिनचर्या शुरू होती है। प्रातः 5.00 बजे आचार्य भक्ति, प्रातः 6.45 बजे अभिषेक, शांतिधारा, प्रातः 7.15 बजे नीति कक्षा,, स्वाध्याय, होता है। दोपहर 2.30 बजे तत्वार्थ सूत्र एवं प्राकृत व्याकरण की कक्षा होती है। सायंकाल 4.30 बजे प्रतिक्रमण होता है। प्रचार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मुनि संघ प्रतिदिन 18 घंटे धर्म प्रभावना एवं तपस्या में संलग्न रहता है।

श्योपुर के चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में गूंजे जयकारे

सौभाग्य दशमी पर जैन मंदिरों में हुए पूजा विधान। सौभाग्य की रक्षा के लिए महिलाओं ने रखे व्रत-उपवास

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों द्वारा सौभाग्य दशमी मनाई गई। इस मौके पर श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर सहित शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इसे सुहाग दशमी भी बोलते हैं। श्रावण शुक्ला दशमी को सुहाग दशमी सौभाग्य दशमी, अक्षय(फल) दशमी को महिलाओं द्वारा पुत्र रत्न की प्राप्ति एवं अपने सुहाग(पति), बच्चों एवं परिवार की सुख समृद्धि के लिए व्रत एवं उपवास किया गया। जैन के मुताबिक इस दिन महिलाओं द्वारा पति की लम्बी उम्र एवं स्वस्थ रहने एवं खुशहाली की कामना करते हुए उपवास किया गया। दिगम्बर जैन मंदिरों में जैन धर्म के दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ एवं सौभाग्य दशमी व्रत की अष्ट द्रव्य से पूजा की गई। श्योपुर प्रतापनगर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में दिव्या बाकलीवाल के नेतृत्व में देवशास्त्र गुरु, आदिनाथ भगवान, देहरे वाले चंदप्रभु भगवान, शीतलनाथ भगवान, सौभाग्य दशमी पूजा एवं कथा,निर्वाण क्षेत्र की पूजा करते हुए मंत्रोच्चार के साथ 14 भगवानों के अर्घ चढाये गये। इस मौके पर दिव्या बाकलीवाल, सोनम, , दिव्या सोगानी , मीनू, स्वाति, उन्नति, नेहा, कोमल जैन, डिम्पल, हिरल, प्रियंका, साक्षी, आयुषी, पारुल, जूली जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुई। सांगानेर था सर्किल स्थित चित्रकूट कालोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में महिलाओं द्वारा सौभाग्य दशमी की पूजा की गई। इस मौके पर श्रुति सोनी, वैशाली सोनी बाडा पदमपुरा वालों सहित अन्य महिलाएं शामिल हुई। सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर, तारो की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में भी महिलाओं ने पूजा अर्चना के बाद व्रत की कथा का वाचन किया । महाआरती के बाद समापन हुआ। जैन के मुताबिक गुलाबी लहरियां की साड़ी पहने महिलाओं ने चातुर्मास स्थलों पर जाकर आचार्य, मुनियों , आर्यिका माताजी के मंगल प्रवचन सुने एवं दर्शन लाभ एवं आशीर्वाद प्राप्त किया।